SPICES BOARD
(Ministry of Commerce and Industry
Government of India)
Sugandha Bhavan
N.H. By-pass
P.B. No. 2277
Palarivattom P.O.
Cochin - 682 025, India

स्पाइसेस बोर्ड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार)
सुगन्ध भवन
एन. एच. बाइपास
पी. बी. नं. 2277
पालारिवट्टम पी.ओ.
कोचिन - 682 025, भारत

प्रेस विज्ञप्ति

वैश्विक स्तर पर विपणन के लिए मसालों पर भौगोलिक संकेत (जीआई) महत्वपूर्ण होता हैः स्पाइस बोर्ड अध्यक्ष

- बीएसएम में 7 करोड़ मूल्य के 600 मीट्रिक टन मसालों का कारोबार करने की क्षमता

मुंबई, 8 जनवरीः मसालों के उत्पादन की तुलना में मसालों का कारोबार करना एक बड़ा मसला है। इसे ध्यान में रखते हुए स्पाइस बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. ए. जयतिलक ने किसानों और निर्यातकों से अपने गुणवत्तापूर्ण मसालों पर भौगोलिक संकेत (जीआई) लेबल पाने के लिए विश्व बाजार में एक विशेष विक्रय प्रस्ताव के साथ मसाला उत्पादों के कारोबार की अपील की है।

नवी मुंबई के सिडको एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में रविवार को आयोजित पांच दिवसीय ग्लोबल कोकण फेस्टिवल 2018 में स्पाइस बोर्ड की विक्रेता-खरीदार बैठक (बीएसएम) के दौरान उन्होंने कहा, "अंतरराष्ट्रीय कारोबार में हमें विशिष्ट श्रेष्ठता के साथ अपने उत्पादों की अलग पहचान बनाने की जरूरत है, कुछ ऐसा करने की जरूरत है ताकि हमारे उत्पाद बाजार में उपलब्ध शेष उत्पादों से कुछ खास नजर आए। हमें वैश्विक बाजार में अपने उत्पादों का प्रचार-प्रचार करने के लिए भौगोलिक संकेत को एक साधन के तौर पर देखना होगा।"

उन्होंने कहा, "मसलन, विश्व के सर्वश्रेष्ठ सुपर मार्केट्स में आप विशेष रूप से थेलेसरी काली मिर्च या मलाबार मिर्च के लेबल ही तलाशेंगे। इसकी वजह यह है कि उन्हें लगता है कि भौगोलिक संकेत लगे उत्पादों के लिए अधिक प्रीमियम चुकाना पड़ता है।"

एक अनुमान है कि बीएसएम के जरिये 7 करोड़ रुपये के 600 मीट्रिक टन मसालों का कारोबार करने की क्षमता है। इस बैठक में लगभग 500 निर्यातकों और 160 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया और किसानों तथा निर्यातकों के बीच पहला कारोबार इस कार्यक्रम के 'मेक इन कोंकण' सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु की उपस्थिति में हुआ।

इस मौके पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। बाद में श्री प्रभु ने स्पाइस बोर्ड के स्टाल का भी निरीक्षण किया।

महाराष्ट्र में 14 जीआई पंजीकृत हैं जबकि कोंकण क्षेत्र के कोंकण सुगंधा जायफल तथा कोंकण सुगंधा दालचीनी जीआई पंजीकरण की क्षमता रखते हैं।

डॉ. जयतिलक ने कहा कि निर्यातकों को जीआई विशिष्टता के साथ निर्यात करने में सक्षम होना चाहिए ताकि आगामी वर्षों में वे सुनिश्चित कर सकते हैं कि विशिष्ट श्रेष्ठता के उत्पादों के मामले में भारत का ब्रांड विकसित हो चुका है।

SPICES BOARD
(Ministry of Commerce and Industry
Government of India)
Sugandha Bhavan
N.H. By-pass
P.B. No. 2277
Palarivattom P.O.
Cochin - 682 025, India

स्पाइसेस बोर्ड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार)
सुगन्ध भवन
एन. एच. बाइपास
पी. बी. नं. 2277
पालारिवट्टम पी.ओ.
कोचिन - 682 025, भारत

उन्होंने बताया, "इन वर्षों के दौरान उत्पादन तो बढ़ रहा है लेकिन विपणन की समस्या बनी हुई है। प्रत्येक किसान हमसे कहता है कि उन्हें अच्छी कीमत चाहिए। पूरा विश्व ही आपका बाजार है और पूरी दुनिया आपके उत्पादों की खरीदार हो सकती है। यह तभी संभव है जब हम पूरे देश के खरीदारों को एक जगह लाएं और आपको किसानों के साथ बात करने की सुविधा प्रदान करें।"

उन्होंने कहा, "हमने पूरे देश में बीएसएम का आयोजन किया है जिनमें अरुणाचल प्रदेश का ईटानगर, सिक्किम का गंगटोक तथा असम का गुवाहाटी शामिल है। ये बीएसएम किसानों से सीधे तौर पर बातचीत करने का अवसर प्रदान करते हैं।"

कोंकण क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में डॉ. जयतिलक ने बताया, "स्पाइस बोर्ड कोंकण पर विशेष ध्यान दे रहा है। एक विशेष टीम ने इस क्षेत्र में मसालों के विकास और निर्यात को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है। वित्तीय सहायता पाने के लिए यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी गई है। हम इसे साकार करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि मसाला ही एकमात्र ऐसी कमोडिटी है जो विश्व कारोबार में 50 फीसदी हिस्सेदारी रखती है। "यह उपलब्धि हासिल करने में मुंबई की बहुत अहम भूमिका रही है। भारत से निर्यात होने वाले कुल मसालों का लगभग 30 फीसदी हिस्सा मुंबई पोर्ट से ही निर्यात होता है। यहां के वासी में स्थापित अत्याधुनिक लेबोरेटरी इसका जीता-जागता प्रमाण है।"

कोकण भूमि प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित छठा ग्लोबल कोकण फेस्टिवल 6 से 10 जनवरी तक चलेगा।